01

Free Press Indore

MADHYA PRADESH
www.freepressjournal.in INDORE | TUESDAY | NOVEMBER 1, 2022

Metro stations to be connected with public transport facilities

SOLAR PANELS TO BE INSTALLED ON ROOFTOPS

RAJAN RAIKWAR
city.bhopal@fpj.co.in

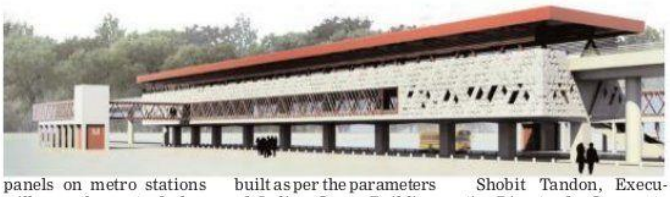

The Metro stations of city will be connected with public transport facilities. The end-to-end connectivity between Metro stations and public transport facility will help in reducing the carbon emission as people will avoid use of private vehicles and opt for public transport.

Moreover, solar panels will be installed on rooftops of metro stations. The installation of solar panels on metro stations will save the cost of electricity as solar energy is much cheaper. Moreover, Metro stations will also have Platform Screen Doors (PSD), which will open only when the Metro Train will arrive at the station.

The PSD system will prevent possibility of people jumping from the train. Metro stations are being built as per the parameters of Indian Green Building Council (IGBC).

Sources at Madhya Pradesh Metro Rail Corporation said issuance of National Common Mobility Card has also been proposed, which would be a multipurpose card. The card holder can use the card at Metro, public transport buses and even for shopping purpose.

Shobit Tandon, Executive Director for Corporate Coordination of Madhya Pradesh Metro Rail Corporation, said that plaza would be constructed at most Metro stations where space will be provided for public transport buses. Wherever there will be possibility, space for e-rickshaw and e-bike will be also provided. This will help in connecting Metro stations with public transport facilities. The metro stations will be also connected with Rani Kamlapati Railway Station.

In box

Multi model system

Managing Director, Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited, Nikunj Shrivastava (IAS), said under Multi Model Integration System, Metro stations will be connected with railway station, bus stands. This will encourage people to use public transport to reach till Metro stations. The use of public transport system will reduce carbon emissions. The solar panel on metro stations is an additional feature.

PATRIKA INDORE

मध्यप्रदेश का गर्व, हर दौर की धड़कन हमारा इंदौर

पत्रिका विशेष

मध्यप्रदेश को देश का हृदय स्थल कहा जाता है और इंदौर इसी हृदय की धड़कन के तौर पर स्थापित हो रहा है। दरअसल, प्रदेश की औद्योगिक राजधानी इंदौर के नवाचार, कार्यों की गति और बदलाव के साथ विकास की ओर बढ़ते कदम मध्यप्रदेश की नई पहचान बन गए हैं। स्वच्छता ब्रांड देश-दुनिया में डंका बजा रहा है तो स्टार्टअप सिटी के तौर पर भी प्रदेश में इंदौर सबसे आगे है। प्रदेश की पहली मेट्रो भी इंदौर में दौड़ेगी तो हवाई अड्डा 24 घंटे खुल रहा है।

इंदौर शहर ही नहीं पूरा संभाग प्रदेश की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा है। इंदौर के विकास ने शहर को ही समृद्धि नहीं दी, मालवा-निमाड़ अंचल को भी समृद्ध किया है। इंदौर के साथ आसपास जिस तरह से उद्योग, कारोबार विकसित हो रहे हैं, उनसे हमारी समग्र अर्थव्यवस्था गुणित हो रही है। प्रदेश की जीडीपी यानी ग्रास डोमेस्टिक प्रॉडक्ट में इंदौर सहित पूरे अंचल का योगदान 56 प्रतिशत आंका गया है। इंदौर का हिस्सा 30 प्रतिशत तक होता है। इस तरह प्रदेश की अर्थव्यवस्था में इंदौर अपनी विरासत, उद्यमिता को गुणित करके प्रदेश के अपने आप को मूल्यवान शहर बना रहा है।

उच्च शिक्षा : आइआइटी और आइआइएम खास

आइआइटी-आइआइएम वाला देश का एकमात्र शहर इंदौर न सिर्फ मप्र की पहली ए प्लस ग्रेड यूनिवर्सिटी है बल्कि यह एकमात्र ऐसा शहर है जहां राष्ट्रीय महत्व के संस्थान हैं। रिसर्च के लिए सबसे बड़ी एजेंसी आरआर कैट (राजा रमन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र) है। फ्रालिटी एजुकेशन के लिए इंदौर अब कोटा की तर्ज पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रतियोगी और भर्ती परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी कई शहरों के छात्र-छात्राएं हर साल इंदौर का रुख कर रहे हैं। एमपीपीएससी, यूपीएससी, इंजीनियरिंग, मेडिकल, सीए, सीएस और लॉ की तैयारी कराने वाली 200 से ज्यादा अच्छी कोचिंग क्लासेस हैं।

मेडिकल : प्रदेश की लाइफ लाइन बना शहर

उन्नत चिकित्सा में इंदौर प्रदेश की लाइफ लाइन बन गया है। इंदौर ने चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी पहचान बना ली है। नेफ्रोलॉजी, कार्डियोलॉजी के साथ ही ऑन्थेल्मोलॉजी में इंदौर ने अपना लोहा मनवाया है। कोरोनाकाल में इंदौर ही ऐसा शहर था, जहां सबसे ज्यादा मरीज प्रभावित होने के साथ ठीक भी हुए। इसके साथ ही इंदौर ने अंगदान के मामले में भी कीर्तिमान स्थापित कर लिया है। यहां नामी निजी अस्पतालों के साथ ही सरकारी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल जैसी सुविधाएं हैं। बोनमैरो ट्रांसप्लांट हो या कार्डियक सर्जरी, या कोरोना वैक्सीनेशन प्रदेश में इंदौर का ग्राफ बढ़ा है।

नाइट कल्चर : उन्नति की सुबह, नाइट कल्चर

प्रदेश की व्यवसायिक राजधानी कहे जाने वाले इंदौर शहर ने आर्थिक प्रगति की नई राह भी दिखाई है। व्यावसायिक नगरी इंदौर ने 24 घंटे काम करने के कल्चर को प्रदेश में सबसे पहले नाइट कल्चर के रूप में अपनाया और दीपावली के सीजन में इसका असर भी नजर आया। डेढ़ महीने पहले प्रशासन ने 11 किलोमीटर से ज्यादा लंबे बीआरटीएस के दोनों ओर 100 मीटर के दायरे में सभी प्रतिष्ठान, ऑफिस 24 घंटे चालू रखने का फैसला किया। जिस इलाके के लिए यह आदेश लागू किया, वहां बड़े ब्रांड के रेडिमेड, ऑटोमोबाइल, ज्वेलरी शोरूम के साथ ही मॉल भी स्थापित हैं।

पर्यटन : पर्यटन सुविधाओं में पहला अवॉर्ड

स्वच्छता का मॉडल शहर इंदौर पर्यटक सुविधाओं में अव्वल है। इस शहर में पर्यटकों को सबसे अच्छी सुविधा मिलने के साथ ही ऐतिहासिक धरोहरों का रखरखाव देश में सबसे बेहतर होता है। प्रदेश का एकमात्र शहर पर्यटन को बढ़ावा देने में आगे है। इससे प्रदेश के पर्यटन के क्षेत्र मजबूत होने के साथ ही आर्थिक विकास विशेष योगदान मिल रहा है। सितंबर में उप-राष्ट्रपति ने शहर को सम्मानित किया था। इंदौर और प्रदेश के अन्य पर्यटक अगर इंदौर आते हैं तो उन्हें लोक परिवहन, सड़क, बिजली-पानी, मनोरंजन, रहने और खान-पान की व्यवस्था बेहतर रही है।

कृषि : कमाल दिखा रही इंदौर की माटी...

इंदौर की मिट्टी में सोयाबीन, लहसुन, आलू, प्याज के साथ सभी सब्जियों की प्रदेश में बड़े स्तर पर खेती होती है। देशभर में आलू की डिमांड की आपूर्ति इंदौर से होती है। यहां के राष्ट्रीय गेहूं व सोयाबीन अनुसंधान केंद्र से अब तक 200 से अधिक उपजाऊ किस्में देश के किसानों को समर्पित हैं। देश का अन्न भंडार भरने में इंदौर से विकसित हुई गेहूं की किस्मों का मुख्य योगदान है। वहीं, सोयाबीन तेल की आपूर्ति में इंदौर प्रदेश में अव्वल है। देश की सभी बड़ी रिफायनरी मिले मालवा के सोयाबीन की उपज पर निर्भर हैं। इसके साथ ही एक लाख से अधिक हेक्टेयर में प्राकृतिक खेती होती है।

लोक परिवहन : मेट्रो सबसे पहली मेट्रो शहर में चलेगी

इंदौर लोक परिवहन के लिए अपने पहले प्रयोग बीआरटीएस के लिए प्रदेश में जाना जाता है। इसके बाद अब रेलवे के माध्यम से शहर प्रदेश में सबसे पहले मेट्रो प्रोजेक्ट पर कार्य कर रहा है। वर्ष 2024 से पहले मेट्रो ट्रैक पर आ सकती है। इसके अलावा इंदौर को महानगर के तौर पर विकसित करने की तैयारी का महत्वपूर्ण दौर भी शुरू हो गया है। इंदौर को पीथमपुर, उज्जैन व देवास कॉरिडोर से महानगर की तर्ज पर बढ़ाया जाएगा। इसके लिए मास्टर प्लान पर भी काम हो रहा है। ऐसे में आने वाले वर्षों में इंदौर प्रदेश का पहला महानगर दर्जा प्राप्त शहर बन सकता है।

स्टार्टअप : मेट्रो स्टार्टअप के साथ प्रदेश में नई राह

देश को नए विकास की ओर ले जाने के लिए स्टार्ट अप की शुरूआत 2016 में की गई। इंदौर ने प्रदेश सरकार से पहले इस नवाचारी टेक्नोलॉजी और उद्यमिता वाले आइडिया को अपनाया। युवाओं ने अपने इनोवेटिव आइडियाज का उपयोग आर्थिक सामाजिक विकास के लिए किया। वर्तमान में 8 से 10 हजार करोड़ का आर्थिक योगदान दे रहे हैं। जिस रफ्तार से यह आगे बढ़ रहे हैं, यह राशि अगले एक साल में 30 हजार करोड़ हो सकती हैं। इंदौर नए विचार को पकड़ने में हमेशा आगे रहता है। इसका बड़ा उदाहरण आईटी सेज और स्वच्छता है। ऐसे ही युवाओं ने अपने दम पर 450 उपक्रम खड़े कर दिए।

स्पोर्ट्स : क्रिकेट से लेकर बैडमिंटन में नाम

इंदौर ने खेल जगत में भी प्रदेश के नाम को आगे बढ़ाया है। क्रिकेट में कई स्टार भारतीय टीम तक पहुंचे हैं तो नई पीढ़ी में भी आवेश खान, रजत पाटीदार की चमक आईपीएल से लेकर भारतीय क्रिकेट तक नजर आ रही है। बैडमिंटन, कुश्ती के बाद हॉकी की राज्य स्तरीय टीमों में 50 प्रतिशत से ज्यादा खिलाड़ी इंदौर शहर या संभाग से चयनित हो रहे हैं। प्रदेश में खेल सुविधाओं की दृष्टि इंदौर अन्य शहरों से बेहतर माना जाता है। महिला वर्ग में भी इंदौर की खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराकर प्रदेश को कई अवॉर्ड और मेडल दिलवाएं हैं।

Free Press Indore

MPMRCL MD reviews Indore Metro work done till October

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

The managing director of Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited took a review meeting of the work of Indore Metro on Wednesday and discussed issues regarding the project.

Under the priority corridor, Nikunj Kumar Srivastava, managing director discussed the construction work of Indore Metro along with metro officials, general consultant and the contractor.

Srivastava discussed the construction works done till October 2022 under the Indore Metro priority corridor. He discussed in detail the status of civil works that have been completed so far.

The construction work of the metro viaduct (17.2 km) under the priority corridor is in progress and about 76 % of the piling (foundation) work has been completed. The civil work of the station is in progress with about 86 % pile foundation, about 51 % open foundation and about 47 % pier/pillar work completed.

Shrivastava also discussed the progress with the authorities regarding the ongoing construction work in Gandhi Nagar depot. Work of about 32 % of piles has been completed in Gandhi Nagar Depot so far.

Shrivastava instructed the contractor to increase the number of labour and speed up the construction work so that the work can be completed on time.

People's Samachar Indore

3 नवंबर 2022

बदलते जमाने का अखबार

पीपुल्स समाचार

स्थापना वर्ष 2009

twitter.com/psamachar1 facebook.com/peoplessamachar1 whatsapp 9644644460 instagram.com/peoplessamachar1 www.peoplessamachar.in

नींव का 76 और ओपन फाउंडेशन का काम 51 प्रतिशत हुआ पूरा

इंदौर मेट्रो प्रायोरिटी कॉरिडोर प्रोजेक्ट की प्रगति की हुई समीक्षा बैठक, कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

पीपुल्स संवाददाता ● इंदौर
मो.नं. 9826055574

17 किलोमीटर से अधिक के इंदौर मेट्रो प्रायोरिटी कॉरिडोर प्रोजेक्ट की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक संपन्न हुई। वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से हुई बैठक में 2022 तक पूर्ण हो चुके सिविल कार्यों की स्थिति को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रबंध संचालक निकुंज कुमार श्रीवास्तव ने की। बैठक का

मुख्य मुद्दा प्रायोरिटी कॉरिडोर के तहत 17.2 किमी का मेट्रो ट्रैक रहा। यहां चर्चा में जनरल कंसल्टेंट, कान्ट्रेक्टर और अधिकारी शामिल थे। उल्लेखनीय है राज्य शासन का प्रयास है कि सितंबर 2023 तक मेट्रो का इंदौर में ड्राई रन शुरू हो सके। इस लिहाज से प्रगति बैठकों को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

डिपो कार्य में लाएं तेजी

प्रबंध संचालक निकुंज श्रीवास्तव ने गांधी नगर डिपो में चल रहे निर्माण कार्यों को लेकर अधिकारियों से प्रगति के बारे में भी चर्चा की। चर्चा के दौरान बताया गया कि गांधी नगर डिपो में अब तक लगभग 32 फीसदी पायल का काम पूरा हो गया है। श्रीवास्तव ने इस दौरान कान्ट्रेक्टर को निर्देश दिया कि लेबर की संख्या बढ़ाएं तथा निर्माण कार्य में और तेजी लाएं, जिससे कार्य समय पर पूर्ण हो सके।

बैठक में ये रहे मौजूद

प्रबंध संचालक निकुंज कुमार श्रीवास्तव ने मेट्रो के अधिकारियों, जनरल कंसल्टेंट एवं कान्ट्रेक्टर के साथ यह बैठक की है। बैठक का उद्देश्य अक्टूबर, 2022 तक के निर्माण कार्यों को लेकर प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा बताया गया है। बैठक में मेट्रो के वरिष्ठ अधिकारी अजय शर्मा - निदेशक (परियोजना), शोभित टंडन - अतिरिक्त निदेशक (तकनीकी), केसी चौहान, महाप्रबंधक एवं अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

51 % OPEN FOUNDATION
76 % PILES

प्रायोरिटी कॉरिडोर का फाउंडेशन 76 प्रतिशत पूरा

प्रायोरिटी कॉरिडोर के तहत निर्माणाधीन 17.2 किलोमीटर के मेट्रो वायडक्ट का निर्माण कार्य प्रगति पर बताया गया है। दावा किया गया है कि इसमें अब तक नींव (पाइलिंग) का काम लगभग 76 प्रतिशत पूरा हो चुका है। इसी तरह तैयार होने वाले स्टेशन का सिविल कार्य भी प्रगति पर बताया गया है। स्टेशन पाइल फाउंडेशन का काम भी 86 प्रतिशत के लगभग पूरा हो चुका है। इसी क्रम में 51 प्रतिशत ओपन फाउंडेशन का काम पूरा होने की जानकारी दी गई है।

05

Dainik Bhaskar
Indore

मेट्रो प्रोजेक्ट : एमडी बोले- डिपो के काम में तेजी लाने लेबर बढ़ाएं

इंदौर | मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के तहत बुधवार को प्रबंध संचालक निकुंज कुमार श्रीवास्तव ने ऑनलाइन मीटिंग ली। इसमें अक्टूबर तक के कार्यों की समीक्षा की गई। स्थानीय अधिकारियों ने प्रायोरिटी कॉरिडोर के सिविल वर्क के बारे में बताया। अगले साल सितंबर तक 5.9 किमी के हिस्से में ट्रायल होना है। श्रीवास्तव ने गांधी नगर डिपो के काम को लेकर पूछा तो बताया कि डिपो में 32 फीसदी पाइल्स का काम हो चुका। उन्होंने कहा लेबर की संख्या बढ़ाएं ताकि काम जल्द पूरा हो। फिलहाल इंदौर में मेट्रो वायडक्ट का निर्माण चल रहा। 17.2 किमी का वायडक्ट बनना है। 76 फीसदी नींव डालने का काम हो चुका है। 86 फीसदी पाइल फाउंडेशन, 51 फीसदी ओपन फाउंडेशन और पिलर का काम 47 फीसदी हो चुका है।

Nav Bharat
Indore

नव भारत इंदौर, गुरुवार 03 नवंबर, 2022

श्रमिकों की संख्या बढ़ाएं, निर्माण कार्य में तेजी लाएं

मेट्रो के प्रबंध संचालक ने कॉन्ट्रेक्टर को दिए निर्देश

इंदौर. मेट्रो ट्रेन प्रायोरिटी कॉरिडार के तहत प्रबंध संचालक निकुंज कुमार श्रीवास्तव द्वारा मेट्रो के अधिकारियों, जनरल कंसल्टेंट एवं कान्ट्रैक्टर के साथ इंदौर मेट्रो के निर्माण कार्यों को लेकर चर्चा की गई.

प्रबंध संचालक श्री श्रीवास्तव ने मेट्रो के अधिकारियों, जनरल कन्सल्टेंट एवं कान्ट्रैक्टर के साथ इंदौर मेट्रो प्रायोरिटी कॉरिडार के तहत अक्टूबर 2022 तक के निर्माण कार्यों को लेकर चर्चा की. प्रबंध संचालक ने इंदौर मेट्रो प्रायोरिटी कॉरिडार प्रोजेक्ट की प्रगति को लेकर वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से अब तक पूर्ण हो चुके सिविल कार्यों की स्थिति के बारे में विस्तृत चर्चा की. इसमें बताया गया कि प्रायोरिटी कॉरिडार के तहत मेट्रो वायडक्ट (17.2 किमी लंबाई) का निर्माण कार्य प्रगति पर है और अब तक पाइलिंग (नींव) का कार्य लगभग 76 प्रतिशत पूरा हो चुका है. स्टेशन के सिविल कार्य प्रगति पर हैं जिसमें लगभग 86 प्रतिशत पाइल फाउण्डेशन, लगभग 51 प्रतिशत ओपन फाउण्डेशन तथा पियर/पिलर का कार्य लगभग 47 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है. प्रबंध संचालक द्वारा गांधी नगर डिपो में चल रहे निर्माण कार्यों को लेकर अधिकारियों से प्रगति के बारे में भी चर्चा की गई. इसमें बताया कि गांधी नगर डिपो में अब तक लगभग 32 प्रतिशत पाइल्स का का कार्य पूर्ण हो गया है. कॉन्ट्रेक्टर को निर्देश दिया कि लेबर की संख्या और बढ़ाए, निर्माण कार्य में ओर तेजी लाएं, जिससे कार्य समय पर पूर्ण हो सके. इस मौके पर उनके साथ मेट्रो के वरिष्ठ अधिकारी निदेशक परियोजना अजय शर्मा, अतिरिक्त निदेशक तकनीकी शोभित टंडन, महाप्रबंधक के.सी. चौहान एवं अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे.

07

Patrika Indore

समीक्षा बैठक में मंथन: 602 पिलर का काम पूरा करने में लगे 11 महीने

मेट्रो के 17 किमी के प्रायोरिटी कॉरिडोर का काम 76% पूरा, आगे की दुविधा बरकरार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. मेट्रो के काम की गति ट्रैक पर है। मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने 2019 में इंदौर के 17 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर का काम शुरू किया था। पहले चरण में 5.31 किलोमीटर आइएसबीटी से शहीद पार्क तक का कार्य दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड को दिया गया। 2 साल तक कंसल्टेंट और कांट्रेक्टर के बीच चली खींचतान व अधिकारियों की नियुक्ति के अभाव में काम 5 पिलर पर ही अटका रहा। अगस्त में शुरुआत के बाद करीब 11 महीने में 17 किलोमीटर की फाउंडेशन का काम लगभग 76% पूरा हो गया है। सवाल शहीद पार्क से एयरपोर्ट के बीच बनने वाले दूसरे चरण के ट्रैक का है, क्योंकि एमजी रोड के एलाइनमेंट पर सवाल उठने के बाद मामला खटाई में पड़ता नजर आ रहा है।

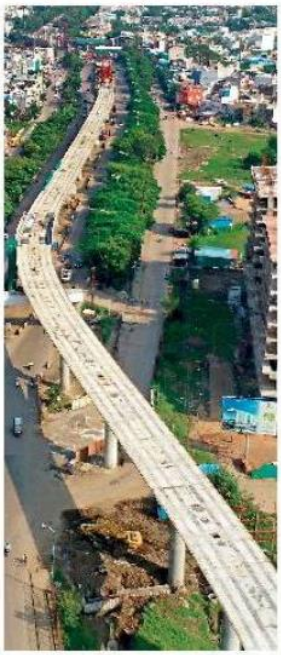

मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एमडी निकुंज श्रीवास्तव ने बुधवार को ट्रैक के कार्यों की समीक्षा कर बताया, 17 किमी के प्रायोरिटी ट्रैक के अधिकांश पिलर बन चुके हैं। फाउंडेशन का काम दोनों निर्माण एजेंसियों ने लगभग पूरा कर लिया है। आइएसबीटी से शहीद पार्क तक पहले चरण के सभी पिलर बन चुके हैं। एयरपोर्ट से सुपर कॉरिडोर, आइएसबीटी के पिलर का काम तेजी से बढ़ रहा है। फरवरी-मार्च में स्थानीय अधिकारियों की नियुक्ति के बाद जनरल कंसल्टेंट एवं कांट्रेक्टर के बीच समन्वय बना और इसका परिणाम दिखाई दे रहा है।

सिविल का लक्ष्य

श्रीवास्तव के अनुसार, सिविल कार्य मार्च तक पूरा करने का लक्ष्य है। पिलर के बाद गार्डन लॉन्चिंग का काम किया जाएगा, जिससे ट्रैक का आधार बन सके। जहां गर्डर लॉन्चिंग का काम पूरा हो जाएगा, वहां ट्रैक के लिए कंपनी को काम सौंप देंगे। वर्तमान में मेट्रो के सिविल वर्क में मेट्रो वायडक्ट, स्टेशन और अन्य कार्य के टेंडर जारी किए जा रहे हैं। 86 प्रतिशत काम हो चुका है। लगभग 51% ओपन फाउंडेशन तथा पियर्स का कार्य लगभग 47% पूर्ण हो चुका है। गांधी नगर में डिपो का काम 32% हुआ है।

METRO NEWS
4th NOVEMBER,2022

Patrika
Indore

सुपर कॉरिडोर के साथ आइएसबीटी से शहीद पार्क के बीच स्टेशन भी हो रहे तैयार

1.5 किमी का वायडक्ट तैयार, जनवरी से डलेंगी पटरियां, स्टेशन का काम भी तेज

पत्रिका अभियान
जल्द चले हमारी मेट्रो

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. मेट्रो के सिविल काम की प्रगति के साथ ट्रैक बिछाने की तैयारी कॉर्पोरेशन कर रहा है। इसके लिए टेक्समो व एलएनटी के टेंडर मिले हैं। एलएनटी से रेट कम होने से टेक्समो कंपनी के टेंडर को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कंपनी मूल रूप से जयपुर की बताई जा रही है। टेंडर तय होने पर जनवरी से ट्रैक यानी पटरियां बिछाने और सिग्नल का काम शुरू हो जाएगा। वर्तमान में आइएसबीटी से शहीद पार्क तक करीब 1.5 किमी का वायडक्ट तैयार है। इस पर अप एंड डाउन तीन किमी का ट्रैक डाल सकते हैं। सुपर कॉरिडोर पर स्टेशन के साथ गर्डर लॉन्चिंग जल्द शुरू होगी।

जानकारी के अनुसार, सरकार का जोर पूरे ट्रैक पर है। प्रायोरिटी कॉरिडोर के साथ आइएसबीटी से शहीद पार्क के बीच भी स्टेशन सहित ट्रैक बनवाने की तैयारी है, ताकि पूरे ट्रैक का काम समय पर पूरा किया जा सके। सिग्नल, इलेक्ट्रिक सब स्टेशन और ट्रेन तैयार करने के लिए भी कंपनियों को काम दे दिया गया है।

संशोधन पर बात नहीं

अधिकारियों के अनुसार, इस ट्रैक का कार्य दो कंपनियों के बीच होने से काम जल्द पूरा होने की संभावना है। इसलिए इसके आगे के ट्रैक की भी तैयारी की जा रही है। वर्तमान में बदलाव के आधार पर अंडरग्राउंड व वायडक्ट का काम शुरू हो सकता है, लेकिन जनप्रतिनिधियों में सहमति-असहमति के बाद मामला अटका हुआ है। इससे 17 किमी के आगे का प्रोजेक्ट खटाई में पड़ता नजर आ रहा है। प्रबंधन का लक्ष्य है, प्रायोरिटी कॉरिडोर के साथ ही इस हिस्से का काम भी शुरू हो जाए, जिससे 2025 तक पूरा रिंग रूट तैयार हो जाए। लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन द्वारा एमजी रोड पर संशोधन प्रस्ताव दिया है। वे मेट्रो को एमजी रोड के बजाय रेसकोर्स रोड से ले जाने पर जोर दे रही हैं।

सुपर कॉरिडोर पर मेट्रो ट्रेक का काम तेज गति से चल रहा है।

09

Patrika Indore

24 साल पुराने मामले में आइडीए के पक्ष में निर्णय

मेट्रो स्टेशन की राह हुई आसान, हाई कोर्ट ने कानूनी पेंच किया खत्म

कोर्ट ने कहा, प्लॉट दावेदारों को जमा राशि लौटा दें

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. मेट्रो स्टेशन व वायडक्ट के लिए हस्तांतरित प्लॉट्स मामले में मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की राह आसान हो गई है। हाई कोर्ट ने कानूनी पेंच का निराकरण करते हुए जमीन के दावेदारों की याचिका खारिज कर दी है। अब कार्पोरेशन को इन जगह को लेकर किसी तरह का संशय नहीं रहेगा। साथ ही 13 प्लॉट बेचने के लिए निकाली गई निविदा को लेकर भी स्थिति स्पष्ट हो गई है। मामला स्कीम नंबर-94 का है।

दरअसल, स्कीम नंबर-94 में कुछ प्लॉट को लेकर मामला हाई कोर्ट में चल रहा था। यह प्लॉट मेट्रो स्टेशन व अन्य गतिविधियों के लिए अलाट किए गए हैं। आइडीए का कहना था, इस पिटिशन से यह हस्तांतरण प्रभावित नहीं होगा, लेकिन हाई कोर्ट के आदेश ने स्थिति और स्पष्ट कर दी है। आइडीए ने कुछ प्लॉट मालिकों के पक्ष में दिए गए फैसले के खिलाफ अपील दायर की थी। आइडीए का कहना था, पहले दिए गए आदेश का पालन करते हुए राशि लौटाई गई थी, लेकिन कुछ ने स्वीकार नहीं की। इसके बाद मामला फिर कोर्ट पहुंचा था। फैसले के बाद योजना-140 में 98 प्लॉट का मामला भी साफ हो गया है। इसके आधार पर आइडीए कुछ फैसला ले सकता है।

Dainik Bhaskar Indore

दैनिक भास्कर इंदौर 08-11-2022

मनीष सिंह का तबादला, इलैया राजा होंगे इंदौर के नए कलेक्टर

अगले साल मेट्रो चलाने की जिम्मेदारी अब सिंह की

▪ सिंह एमपीआईडीसी और मेट्रो के एमडी बनाए गए, स्मार्ट सिटी सीईओ ऋषव गुप्ता देवास, भव्या मित्तल बुरहानपुर कलेक्टर

इंदौर | प्रदेश सरकार ने सोमवार रात वरिष्ठ आईएएस अफसरों के तबादले किए। इंदौर कलेक्टर मनीष सिंह को एमपीआईडीसी और मेट्रो रेल प्रोजेक्ट का एमडी बनाया है। उनकी जगह जबलपुर कलेक्टर इलैया राजा टी को इंदौर की जिम्मेदारी दी गई है। स्मार्ट सिटी सीईओ ऋषव गुप्ता को देवास व भव्या मित्तल को बुरहानपुर कलेक्टर बनाया गया है। दिव्यांक सिंह इंदौर स्मार्ट सिटी के नए सीईओ होंगे। मनीष सिंह ने निगमायुक्त रहते इंदौर को सफाई में सिरमौर बनाने की नींव रखी थी। वे कोविड के दौरान आए थे और ढाई साल पूरे कर चुके थे।

इलैया राजा: चुनाव से पहले मिली बड़ी जिम्मेदारी

- इंदौर में राजनीतिक दखल ज्यादा है, सत्तारूढ़ दल के नेताओं के अलग-अलग धड़ों में समन्वय बनाना होगा।
- मेट्रो, स्मार्ट सिटी जैसे निगम के कई काम अटके हैं, ज्यादातर में प्रशासनिक कार्रवाई, हस्तक्षेप की दरकार है।
- अगले साल विधानसभा चुनाव है। शहर थोड़ा नया है, यहां का वर्क कल्चर अलग। स्वच्छता पर लगातार काम करना होगा।
- नवाचारों से पहचान। जबलपुर, भिंड में सुगम ट्रैफिक प्राथमिकता में रहा। भिंड में तबादले के खिलाफ जनता सड़क पर आ गई थी।

मनीष सिंह... प्रवासी सम्मेलन में बढ़ेगी भूमिका

- सरकार ने 2023 में मेट्रो चलाने का दावा किया है, बहुत काम बाकी है। पूरा करना बड़ी चुनौती है।
- जनवरी में प्रवासी सम्मेलन, इन्वेस्टर्स समिट है, एमपीआईडीसी एमडी के नाते भूमिका बढ़ जाएगी।
- जब निगमायुक्त बने तो स्वच्छता अभियान शुरू हुआ, इंदौर को नंबर वन बनाने की शुरुआत की।
- कलेक्टर बने तो कोविड की चुनौती थी। मरीजों के लिहाज से देश के टॉप शहर में शामिल था।

तबादलों की पूरी सूची | पढ़ें पेज 6 पर

इंदौर में काम करना गौरव की बात

कलेक्टर मनीष सिंह ने कहा कि इंदौर में काम करना गौरव की बात है। यहां लोगों, जनप्रतिनिधियों का असीम स्नेह मिला। इंदौर को सफाई में नंबर-1 बनाने में जो सहयोग मिला उसे कभी भुला नहीं जा सकता। मप्र में इंडस्ट्री आज सबसे बड़ी जरूरत है। जो भी आदेश मिलेगा, उसका पालन करने की पूरी कोशिश करूंगा।

Dainik Patrika Indore

नगर से महानगर की ओर बढ़ रहे शहर को नवागत कलेक्टर और नए मेट्रो एमडी से काफी उम्मीदें

नवागत कलेक्टर से लोगों को स्वच्छता बरकरार रखते हुए मेट्रोपॉलिटन की दरकार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. शहर में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए सरकार ने अपने इरादे जाहिर कर दिए हैं। इंदौर कलेक्टर मनीषसिंह का तबादला कर जबलपुर कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी को कमान सौंपी गई है।

दिलचस्प बात यह है, दोनों पर नया शहर बनाने की अहम जिम्मेदारी है। शहर की जनता को नवागत कलेक्टर से स्वच्छता की पहचान को बरकरार रखते हुए मेट्रोपॉलिटिन इंदौर बनाने तो वहीं, मेट्रो रेल एमडी मनीष सिंह से मेट्रो रिंग रूट व इंदौर-उज्जैन-पीथमपुर को रीजनल रेल ट्रांजिट सिस्टम से जोड़कर हाई स्पीड पब्लिक ट्रांसपोर्ट देने की अपेक्षा हैं। नवागत कलेक्टर बुधवार को कार्यभार संभालेंगे।

मंगलवार को शहर में हुए बड़े बदलाव को लेकर चर्चाओं का दौर गरम रहा। पत्रिका ने भी शहर से जुड़े विशेषज्ञों और संगठनों से बात की तो सभी को नवागत कलेक्टर के नवाचारी विजन से काफी अपेक्षाएं हैं। जबकि निवृत्तमान कलेक्टर को मिली अहम जिम्मेदारी से भी उम्मीद हैं कि अब तो शहर में तय समय पर मेट्रो पटरी पर आ जाएगी। दोनों के समन्वित प्रयास से 2025 तक इंदौर स्वच्छता और महानगरीय कल्चर के साथ ग्लोबल सिटी मानकों की कसौटी पर कसने लायक बन जाएगा।

नवागत कलेक्टर आज करेंगे कार्यभार ग्रहण

इलैया राजा टी

मनीषसिंह

यह करना होगा डॉ. इलैया राजा को...

- शहर की आंतरिक व्यवस्थाओं में सुधार करने के प्रयास जारी रखने होंगे। इसमें प्रमुख रूप से ट्रैफिक, लोक परिवहन व बाजारों की व्यवस्था पर नजर रखना होगी। इसमें सुधार के लिए प्लान भी बनाना होगा।
- इंदौर को महानगरीय क्षेत्र के रूप में विस्तार देना है। इसके लिए मेट्रो पॉलिटन अथॉरिटी का गठन करने रहा है। इसे जल्द बनवाकर लागू करवाना भी बड़ी जिम्मेदारी है। वर्तमान में निवेश क्षेत्र में कॉलोनी विकास बड़ी समस्या बन गया है।

Free Press
Indore

Indore Metro priority corridor work crosses halfway mark

Completion 45 weeks away

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

The work on the 17.5 km priority corridor of Indore Metro between Gandhi Nagar to Mumtaz Bagh (Robot Square) is 51 per cent complete and it will take another 45 weeks to complete it, said Metro Rail Corporation officials.

The Metro officials said the ongoing work is being closely monitored by senior officials so that there is no slackness.

Official said according to Madhya Pradesh government the Metro Rail in both Indore and Bhopal will be inaugurated on the same date.

"The deadline of both the projects is the same - September 2023. Now only 320 days are left which is around 45 weeks. Bhopal's Metro will be 7 km long and Indore's Metro will be of 17.5 km" said officials from Metro Rail Corporation. The state government had on 19 August 2019 signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Centre for Metro Rail systems in Bhopal and Indore," said officials.

According to officials, the there are total 2,074 foundation work/piling work to be done on the track of 17.5 kms and so far 1,527 of piling\ foundation work has been completed.

We have completed 76 per cent of the piling work. Similarly 51 per cent of the work of open foundation work of station has got completed. Also, 86 per cent of pile foundation is also completed. With this around 51 per cent of work is completed. Also, 32 per cent of piles work of the depot is also completed. Many stations' structure has been constructed on the corridor. After the construction work, electrification work and track laying work will remain," said officials.

अग्निबाण

इंदौर मेट्रो के अंडरग्राउंड हिस्से की चल रही अड़चन होगी दूर

पटरियां बिछाने, कोच खरीदी सहित मेट्रो प्रोजेक्ट के कई टेंडरों को मिली मंजूरी

● इंदौर।

मेट्रो प्रोजेक्ट के चल रहे काम को अब और गति मिलेगी। कल भोपाल में मेट्रो रेल कार्पोरेशन के एमडी के रूप में भी मनीष सिंह ने कार्यभार संभाल लिया और अधिकारियों की बैठक में कई नसीहतें भी दे डाली। दरअसल विधानसभा चुनाव से पहले मेट्रो इंदौर-भोपाल में चलाई जाना है। लिहाजा पटरियां बिछाने, कोच खरीदी से लेकर कई महत्वपूर्ण टेंडर जो महीनों से लम्बित पड़े थे उन्हें अब ताबड़तोड़ मंजूरियां दी जा रही है। इंदौर-भोपाल में जिंदल स्टील को पटरियां बिछाने का ठेका मिला है, तो मेट्रो कार रोलिंग स्टॉक, जिसे कोच कहा जाता है उसका टेंडर भारतीय कम्पनी अलस्टाम ट्रांसपोर्ट को लगभग 3248 करोड़ का दिया गया है, जिसमें इंदौर मेट्रो के 75 और भोपाल के 81 कोच शामिल हैं।

मेट्रो रेल कार्पोरेशन के एमडी का पद भी एक तरह से खाली था, क्योंकि पूर्व एमडी के दिल्ली चले जाने के चलते नगरीय प्रशासन आयुक्त को अतिरिक्त प्रभार दे रखा था, जिसके चलते टेंडर सहित अन्य महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं लम्बित पड़ी थी। मगर अभी एमपीआईडीसी के साथ मेट्रो रेल कार्पोरेशन के एमडी की जिम्मेदारी मनीष सिंह को सौंपी गई। कल उन्होंने यह जिम्मेदारी भी संभाल ली और मेट्रो रेल कार्पोरेशन के अधिकारियों-विशेषज्ञों की पहली बैठक ली, जिसमें इंदौर-भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट में आ रही अड़चनों को दूर करने, टेंडर प्रक्रिया को गति देने के साथ-साथ जरूरत नसीहतें भी दी। उल्लेखनीय है कि इंदौर में ही मध्य क्षेत्र में अंडरग्राउंड या एलिवेटेड कॉरिडोर को लेकर गतिरोध जारी है। पिछले दिनों ताई ने भी इसका विरोध किया। मगर अब ये सभी अड़चनें भी जल्द दूर हो जाएगी। पिछले दिनों मेट्रो रेल कार्पोरेशन ने कई टेंडर बुलाए थे, जिनमें से कुछ पूर्व में मंजूर हुए और बाकी महीनों से लम्बित पड़े थे। 156 कोच खरीदी के टेंडर के साथ-साथ पटरियां बिछाने के टेंडर भी मंजूर होना थे। जिंदल स्टील को पटरियां बिछाने का जिम्मा मिला है। इंदौर मेट्रो का काम चूंकि अभी गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर होते हुए एमआर-10, रेडिसन चौराहा, वहां से शहीद पार्क और रोबोट चौराहा तक तेज गति से चल रहा है और पिलरों के निर्माण के बाद सेगमेंट लॉन्चिंग लगातार जारी है। उसके बाद पटरियों को बिछाने का काम शुरू होगा। वहीं सुपर कॉरिडोर पर जो 75 एकड़ में डिपो का निर्माण चल रहा है उसके अंदर भी पटरियां बिछेंगी।

METRO NEWS
16th NOVEMBER,2022

Dabang Dunia
Indore

दबंग दुनिया
सिटी फ्रंट
इंदौर, बुधवार, 16 नवंबर 2022
www.dabangdunia.co.in
02

मेट्रो के अंडरग्राउंड हिस्से की चल रही अड़चन होगी दूर

पटरियां बिछाने, कोच खरीदी सहित मेट्रो प्रोजेक्ट के कई टेंडरों को मिली मंजूरी

इंदौर » दबंग रिपोर्टर

मेट्रो प्रोजेक्ट के चल रहे काम को अब और गति मिलेगी। भोपाल में मेट्रो रेल कार्पोरेशन के एमडी के रूप में भी मनीष सिंह ने कार्यभार संभाल लिया और अधिकारियों की बैठक में कई नसीहतें भी दे डाली। दरअसल विधानसभा चुनाव से पहले मेट्रो इंदौर-भोपाल में चलाई जाना है। लिहाजा पटरियां बिछाने, कोच खरीदी से लेकर कई महत्वपूर्ण टेंडर जो महीनों से लम्बित पड़े थे उन्हें अब ताबड़तोड़ मंजूरियां दी जा रही है। इंदौर-भोपाल में जिंदल स्टील को पटरियां बिछाने का ठेका मिला है, तो मेट्रो कार रोलिंग स्टॉक, जिसे कोच कहा जाता है उसका टेंडर भारतीय कम्पनी अलस्टाम ट्रांसपोर्ट को लगभग 3248 करोड़ का दिया गया है, जिसमें इंदौर मेट्रो के 75 और भोपाल के 81 कोच शामिल हैं।

मेट्रो रेल कार्पोरेशन के एमडी का पद भी एक तरह से खाली था, क्योंकि पूर्व एमडी के दिल्ली चले जाने के चलते नगरीय प्रशासन आयुक्त को अतिरिक्त प्रभार दे रखा था, जिसके चलते टेंडर सहित अन्य महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं लम्बित पड़ी थी। मगर अभी एमपीआईडीसी के साथ मेट्रो रेल कार्पोरेशन के एमडी की जिम्मेदारी मनीष सिंह को सौंपी गई। उन्होंने यह जिम्मेदारी भी संभाल ली और मेट्रो रेल कार्पोरेशन के अधिकारियों-विशेषज्ञों की पहली बैठक ली, जिसमें इंदौर-भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट में आ रही अड़चनों को दूर करने, टेंडर प्रक्रिया को गति देने के साथ-साथ जरूरी नसीहतें भी दी।

उल्लेखनीय है कि इंदौर में ही मध्य क्षेत्र में अंडरग्राउं
या एलिवेटेड कॉरिडोर को लेकर गतिरोध जारी है। पिछ
दिनों ताई ने भी इसका विरोध किया। मगर अब ये सम
अड़चनें भी जल्द दूर हो जाएगी। पिछले दिनों मेट्रो रे
कार्पोरेशन ने कई टेंडर बुलाए थे, जिनमें से कुछ पूर्व
मंजूर हुए और बाकी महीनों से लम्बित पड़े थे। 156 को
खरीदी के टेंडर के साथ-साथ पटरियां बिछाने के टेंडर भ
मंजूर होना थे। जिंदल स्टील को पटरियां बिछाने का जिम्म
मिला है। इंदौर मेट्रो का काम चूंकि अभी गांधी नगर से सुप
कॉरिडोर होते हुए एमआर-10, रेडिसन चौराहा, वहां
शहीद पार्क और रोबोट चौराहा तक तेज गति से चल रह
है और पिलरों के निर्माण के बाद सेगमेंट लॉन्चिंग लगाता
जारी है। उसके बाद पटरियों को बिछाने का काम शुरू होग
वहीं सुपर कॉरिडोर पर जो 75 एकड़ में डिपो का निर्मा
चल रहा है उसके अंदर भी पटरियां बिछेंगी।

Metro Vaartha
Indore

മെട്രോ വാർത്ത

Indore-Bhopal Metro run before Assembly election

ALEX MUNDAPUZHA

Indore

The Metro project work us set to gather momentum as Manish Singh has taken charge as MD of Metro Rail Corporation. He held a meeting with the officials and the proposal is to run the Indore-Bhopal Metro before the Assembly elections next year.

From laying of tracks, to buying coaches, many important tenders pending for months, have now being given swift approvals. Jindal Steel has got the contract to lay the tracks and the Metro Car Rolling Stock (coach) work has been awarded to Alstom Transport for about Rs 3248 crore. This includes the 75 coaches of Indore Metro and 81 of the Bhopal one.

The post of MD had been lying vacant for quite some time and the Urban Administration Commissioner had been given additional charge as the then MD had moved to Delhi. This had caused a delay in the tender process. In his first meeting after assuming charge, Manish Singh began removing bottlenecks and hastening the tender process.

Here, the deadlock is in the central region over the underground or elevated corridor. Recently former Speaker Sumitra Mahajan had also expressed her reservation.

The work is currently on a fast pace from Gandhi Nagar via super corridor to MR-10, Radisson Chauraha, from there to Shaheed Park and Robot Chauraha and the segment launching is on after the construction of pillars. After this, the laying of tracks will start.

Indore Edition
Nov 16, 2022 Page No. 12
Powered by : eReleGo.com

Nai Dunia
Indore
17.11.2022

आकार लेती इंदौर मेट्रो... शहर में मेट्रो का काम काफी तेज गति से चल रहा है। पहले चरण के तहत 17.5 किमी के मेट्रो ट्रैक को बनाने के लिए पांच लांचरों की मदद ली जा रही हीं। रेडिसन चौराहे से लेकर विजय नगर के बीच पिलरों को जोड़ने के लिए लांचर की सहायता ली जा रही है। एक लांचर दो पिलरों को पांच दिन में सेगमेंट की सहायता से जोड़ देता है , अब इलाके में मेट्रो ट्रैक नजर आने लगा है। कोलकाता की एक कंपनी को इन ट्रैक पर ट्रेन बिछाने का ठेका दिया जा चुका है, वहीं अगले साल सितंबर में सुपर कारिडोर के 5.5 किमी के हिस्से में मेट्रो का ट्रायल रन किया जाएगा। ● **प्रफुल्ल चौरसिया 'आशु'**

Hindustan Mail
Indore
17.11.2022

सांध्य दैनिक
हिन्दुस्तान मेल
2 राज्य | 3 संस्करण

मेट्रो सुपर कॉरिडोर पर सबसे पहले दौड़ती दिखेगी

विजय नगर चौराहा के समीप मेट्रो प्रीमियम (कमर्शियल कॉम्पलेक्स) में एमपीएमआरसीएल का ऑफिस है। इस भवन की छत से हमारे फोटोग्राफर **प्रमोद जैन** ने ये फोटो लिया है। इसमें रेडिसन होटल से बापट चौराहा तक मेट्रो रूट के निर्माण का विहंगम दृश्य नजर आ रहा है।

साढ़े छह किलोमीटर लंबे सुपर कॉरिडोर पर फोकस, सितंबर 2023 ट्रायल रन

17 किलोमीटर लंबे रूट पर पहले चलेगी 2500 करोड़ होंगे खर्च, 16 स्टेशन बनेंगे

कुल रूट 31 किमी का, खर्च होंगे 450 करोड़, दिसंबर 2024 तक होगा काम पूरा

हिन्दुस्तान मेल **एक्सक्लूसिव**

■ अनिल शुक्ला

इंदौर। शहर में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट ने गति पकड़ ली है। अल्सटॉम को मध्यप्रदेश मेट्रो रेल निगम (एमपीएमआरसीएल) का खास फोकस साढ़े छह किलोमीटर लम्बे सुपर कॉरिडोर पर बना हुआ है। सितंबर 2023 तक ट्रायल रन का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद बाकी काम दिसंबर 2024 तक पूरा किया जाएगा। करीब 45 फीसदी काम पूरा हो चुका है। मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के पहले चरण में 31 किलोमीटर लंबे रूट पर काम किया जाना है।

अभी 17 किलोमीटर रूट गांधीनगर से रेडिसन चौराहा तक काम चल रहा है। मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एमपीएमआरसीएल) का इस समय सुपर कॉरिडोर पर फोकस बना हुआ है। हर हाल में करीब साढ़े छह किलोमीटर के रूट पर मेट्रो का कार्य सितंबर 2023 तक पूरा करने और ट्रायल रन का लक्ष्य रखा गया है। सुपर कॉरिडोर के अरविंदो चौराहे से रेडिसन तक के रूट का ट्रायल रन दिसंबर 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य है। 17 किलोमीटर लंबे रूट तक का काम दो एजेंसी रेलवे विकास लिमिटेड निगम और दिलीप बिल्डकॉन द्वारा किया जा रहा है। उक्त रूट के अंतर्गत 6 लांचर स्थापित किए जा रहे हैं। जिसमें से 5 लगभग स्थापित हो चुके हैं। इन पर सेगमेंट फीड करने का काम किया जा रहा है। 17 किलोमीटर रूट पर 16 स्टेशन बनाने का काम भी जारी है। 6 स्टेशन सुपर कॉरिडोर पर बनाए जा रहे हैं। बाकी एमआर 10, आईएसबीटी, चन्द्रगुप्त चौराहा, हीरा नगर, बापट चौराहा, मेघदूत, विजय नगर और रेडिसन चौराहा तक बनना है। 17 किलोमीटर के मेट्रो रूट पर 2500 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। 31 किलोमीटर के रूट तक के काम पर 450 करोड़ रुपए खर्च किए जाना है।

45 फीसदी काम पूरा हो चुका है

अलाइनमेंट की उलझन

इधर, खजराना चौराहा से पलासिया और पलासिया से बड़े गणपति तक के मेट्रो रूट का मामला अलाइनमेंट के चक्कर में उलझ गया है। पलासिया से गांधी हाल, कोठारी मार्केट और राजबाड़ा से बड़े गणपति के रूट को लेकर विवाद की स्थिति बनी हुई है।

ताई शहर के मध्य नहीं चाहती मेट्रो

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने शहर के मध्य एमजी रोड पर मेट्रो का विरोध करते हुए नाराजगी जाहिर की है। महाजन ने पलासिया से जंजीरवाला चौराहा, सुभाष मार्ग होकर मेट्रो लाइन बिछाने का विकल्प सुझाया है।

विवाद व विरोध ने रोका टेंडर

विवाद और विरोध के चलते 14 किलोमीटर लंबे रूट के लिए टेंडर नहीं हो पाए हैं। टेंडर का मामला फिलहाल ठंडे बस्ते में है। गौरतलब है कि पहले चरण में 31 किलोमीटर मेट्रो रूट का काम होना है। अभी 17 किलोमीटर तक के रूट पर काम किया जा रहा है। विवाद सुलझने के बाद ही काम आगे बढ़ पाएगा।

डिजाइन फायनल स्टेज पर

सोभित टण्डन (कार्यकारी निर्देशक कॉरपोरेट कॉर्डिनेशन मेट्रो रेल, भोपाल) ने हिंदुस्तान मेल को बताया कि इंदौर में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट पर तेजी से कार्य चल रहा है। सिविल और इलेक्ट्रिक कार्य के अलावा अन्य कार्यों की रफ्तार तेज हुई है। एमडी मनीष सिंह ने मेट्रो ट्रेन के कोच की डिजाइन को लेकर चर्चा की है, यह भी फायनल स्टेज पर है। 6 किमी मेट्रो का काम सितम्बर 23 तक पूरा कर ट्रायल रन का टारगेट रखा गया है।

संकटमोचक साबित होंगे मनीष सिंह

मुख्यमंत्री चौहान द्वारा मनीष सिंह को मेट्रो रेल प्रोजेक्ट का एमडी पदस्थ किए जाने वाली दूरदर्शिता अब जनप्रतिनिधियों को भी समझ आने लगी है। एमडी के रूप में मनीष सिंह इसलिए संकटमोचक होंगे कि मेट्रो के 31 किलोमीटर वाले रूट में कई जगह पेंच फंसे हुए हैं।पूर्व सांसद सुमित्रा महाजन राजवाड़ा क्षेत्र में मेट्रो नहीं लाने की बात कह चुकी है। मनीष सिंह इंदौर की नब्ज से वाकिफ तो है ही, जन संगठन भी उनके मिजाज से वाकिफ हैं। वे सभी पक्षों से तालमेल बैठा कर सर्वसम्मत स्थिति बनाना जानते हैं।

प्रस्तावित स्टेशन

(बड़ा गणपति से राजवाड़ा तक वाले रूट को लेकर उठ रही बदलाव की मांग के चलते इस सूची वाले कुछ स्टेशन रद्द करने पर नए स्टेशन जोड़े जा सकते हैं)

■ भवरासला स्क्वायर ■ एमआर 10 रोड ■ आईएसबीटी/एमआर 10 फ्लाईओवर ■ चंद्रगुप्त स्क्वायर ■ हीरा नगर ■ बापट स्क्वायर ■ मेघदूत गार्डन ■ विजय नगर स्क्वायर ■ रेडिसन स्क्वायर ■ मुमताज बाग कॉलोनी 1 ■ मुमताज बाग कॉलोनी 2 ■ बंगाली स्क्वायर ■ पत्रकार कॉलोनी ■ पलासिया स्क्वायर ■ उच्च न्यायालय / होटल रेजीडेंसी ■ इंदौर रेलवे स्टेशन ■ राजवाड़ा पैलेस ■ मौलाना आजाद मार्ग ■ बड़ा गणपति ■ रामचंद्र नगर स्क्वायर ■ कालानी नगर ■ बीएसएफ ■ एयरपोर्ट ■ गांधी नगर नैनोद ■ सुपर कॉरिडोर 6 ■ सुपर कॉरिडोर 5 ■ सुपर कॉरिडोर 4 ■ सुपर कॉरिडोर 3 ■ सुपर कॉरिडोर 2 ■ सुपर कॉरिडोर 1

METRO NEWS

20th NOVEMBER,2022

Dainik Bhaskar
Indore

दैनिक भास्कर इंदौर 20-11-2022

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट • पहले 5.9 किमी का कॉरिडोर पूरा किया जाएगा, इस हिस्से में 60% पिलर तैयार हो चुके हैं

प्रायोरिटी कॉरिडोर पर तीसरे लॉन्चर की तैयारी, डिपो का काम 30% पूरा, सितंबर 2023 में इसी हिस्से में मेट्रो का ट्रायल रन

भास्कर संवाददाता | इंदौर

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत 5.9 किलोमीटर के सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर मेट्रो का ट्रायल रन सितंबर 2023 में होना है। इसके लिए काम की रफ्तार बढ़ाई गई है। आईएसबीटी से रोबोट चौराहा तक तीसरे लॉन्चर की तैयारी की जा रही है। डिपो का काम भी 30 फीसदी पूरा हो चुका है। सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर दिसंबर में चौथा लॉन्चर डाला जाएगा। इस रूट पर 60 फीसदी पिलर का काम पूरा हो चुका है।

पहले चरण के तहत सुपर कॉरिडोर से रोबोट चौराहे तक काम तेजी से चल रहा है। सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर सेगमेंट जोड़ने के लिए चार लॉन्चर की मदद ली जाएगी। इसमें से दो डल चुके हैं। अब तीसरे की तैयारी है। टीसीएस चौराहे के सामने काम चल रहा है। आईएसबीटी से रोबोट चौराहे तक 5 किमी के कॉरिडोर पर भी चार लॉन्चर की मदद ली जाएगी।

29 स्टेशन बनेंगे पहले चरण में 31.5 किमी के कॉरिडोर में

17.5 किमी का प्रायोरिटी कॉरिडोर है

5.9 किलोमीटर का काम पहले पूरा करेंगे

11.6 किमी का हिस्सा बाद में पूरा होगा

प्रायोरिटी कॉरिडोर में विजय नगर से रेडिसन के बीच मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट का काम तेजी से चल रहा है। फोटो | ओपी सोनी

अभी 17.5 किलोमीटर के कॉरिडोर पर काम चल रहा

पहले 17.5 किमी के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर ट्रायल रन होना था, लेकिन काम की धीमी रफ्तार और अलाइनमेंट संबंधी दिक्कतों को देखते हुए इसमें बदलाव कर दिया है। हालांकि इस पूरे रूट पर काम चल रहा है। ट्रायल के भी कम से कम छह महीने बाद मेट्रो ट्रेन में यात्री सफर कर सकेंगे। यानी वर्ष 2024 के पहले नियमित मेट्रो का फायदा लोगों को नहीं मिलेगा।

साढ़े 7 हजार करोड़ की योजना

साढ़े 7 हजार करोड़ लागत वाली योजना के पहले चरण में 31.5 किमी के कॉरिडोर में 29 स्टेशन बनना हैं। पहले 5.9 किमी का हिस्सा पूरा किया जाएगा। इसके बाद प्रायोरिटी कॉरिडोर के 11.6 किमी का हिस्सा पूरा किया जाएगा। ट्रैक के लिए भी टेंडर हो चुके हैं।

Metro Vartha
Indore
23.11.2022

Metro work in top gear

STAFF REPORTER

Indore

Work on the 17.5-km Priority Corridor under the first phase of the Metro Rail project here is on at quick pace as also that on metro stations. The track work will start once the segment is laid. The contract has been awarded to a Kolkata-based company.

According to the officials, work on stations was on at ISBT and Radisson intersection. Segments were also being installed with the help of launchers. The trial run is planned next year.

Recently tenders were called and Texmaco Rail & Engineering Ltd was the lowest bidder pushing Larsen & Toubro, Vijay Nirman Company and Rail Vikas Nigam Limited. The company will complete the track laying work in about three years, but for this all the pillars will have to be connected with the help of segments.

The 31.5 km route of the Metro here has been divided into two parts. Two companies have also been awarded the contract for the work of the first 17.5 kms. The work from Super Corridor to MR-10 is being done by Rail Vikas Nigam, and that from MR-10 to Robot Chauraha by Dilip Buildcon.

The pandemic delayed the work and it is likely to be completed by 2025.

Nai Dunia
Indore
23.11.2022

नईदुनिया | 3
इंदौर, बुधवार 23 नवंबर, 2022

स्टेशनों के काम में तेजी, सेगमेंट बिछते ही शुरू होगा पटरी का काम

मेट्रो परियोजना के तहत विजयनगर से रेडिसन चौराहे के बीच सेगमेंट तेजी से जोड़ने के लिए लांचर लगाया गया है। ● नईदुनिया

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मेट्रो प्रथम चरण के 17.5 किलोमीटर के प्रायोरिटी कारिडोर का काम तेजी से चल रहा है। इसके अंतर्गत बनने वाले स्टेशनों का काम भी तेजी से चल रहा है। सेगमेंट जुड़ते ही पटरी बिछाई जाएगी। कोलकाता की कंपनी को इसका ठेका दिया गया है।

मेट्रो प्रोजेक्ट के अधिकारियों के अनुसार आइएसबीटी और रेडिसन होटल के पास स्टेशन का काम तेजी से चल रहा है। लांचरों से सेगमेंट लगाए जा रहे हैं। अगले साल होने वाले ट्रायल रन के लिए सुपर कारिडोर के करीब साढ़े पांच किलोमीटर के हिस्से में अच्छी तैयारी चल रही है। पिछले दिनों मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा टेंडर मंगवाए गए थे। टेक्समैको रेल ने लार्सन एंड टूब्रो की 262.32 करोड़ रुपये की बोली को पीछे छोड़ते हुए सबसे कम बोली लगाई थी। बोली लगाने वालों में विजय निर्माण कंपनी प्राालि और रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) भी थे। कंपनी करीब तीन साल में काम पूरा करेगी। मगर इसके लिए सभी पिलरों को सेगमेंट से जोड़ना होगा। इंदौर में मेट्रो के 31.5 किमी के रूट को दो भागों में बांटा गया है। पहले 17.5 किमी के काम के लिए भी दो कंपनियों को ठेका दिया गया है। सुपर कारिडोर से एमआर-10 तक का काम आरवीएनएल कर रहा है, जबकि एमआर-10 से रोबोट चौराहे तक का काम दिलीप बिल्डकान के पास है। कोरोना के कारण इंदौर मेट्रो का काम समय पर शुरू नहीं हो सका था। संभावना है कि 2025 तक काम पूरा हो जाएगा।

21

Poorna Viram

Indore

23.11.2022

मेट्रो स्टेशन के काम में तेजी, सेगमेंट बिछते ही पटरी का काम होगा शुरू

संवाददाता ■ इंदौर

इंदौर में मेट्रो प्रोजेक्ट के पहले चरण में 17.5 किलोमीटर के प्रायोरिटी कारिडोर का काम तेजी से चल रहा है। इसके अंतर्गत बनने वाले मेट्रो स्टेशनों के काम भी तेजी दिख रही है। सेगमेंट बिछते ही पटरी का काम भी शुरू किया जाएगा। कोलकाता की कंपनी को इसका ठेका पहले ही दिया जा चुका है।

मेट्रो प्रोजेक्ट के अधिकारियों के अनुसार

आइएसबीटी और रेडिसन चौराहे के यहां मेट्रो स्टेशनों का काम चल रहा है। यह काम तेजी से चल रहा है। वहीं, लांचरों की मदद से सेगमेंट भी लगाए जा रहे हैं। अगले साल होने वाले ट्रायल रन के लिए सुपर कारिडोर के करीब साढ़े पांच किलोमीटर के हिस्से में काफी तेजी

से तैयारी चल रही है। पिछले दिनों मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा टेंडर बुलवाए गए थे। टेकसमैको रेल ने लार्सन एंड टूब्रो की 262.32 करोड़ रुपये की बोली को पीछे छोड़ते हुए सबसे कम बोली लगाई थी। अन्य बोलीकर्ताओं में विजय निर्माण कंपनी प्राइवेट लिमिटेड और रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) थे। कंपनी पटरी बिछाने का काम करीब तीन साल में पूरा कर देगी, लेकिन इसके लिए सभी पिलरों को सेगमेंट की सहायता से जोड़ना होगा। इसके बाद ही पटरी बिछाई जा सकेगी।

कोरोना के कारण मेट्रो का काफी

देरी से चल रहा है - गौरतलब है कि इंदौर में चल रहे मेट्रो के 31.5 किलोमीटर के रूट को दो भागों में बांटा गया है। पहले 17.5 किलोमीटर के काम के लिए भी दो कंपनियों को ठेका दिया गया है। सुपर

Dabang Dunia
Indore
23.11.2022

मेट्रो स्टेशन के काम में तेजी, सेगमेंट बिछते ही पटरी का काम होगा शुरू

इंदौर » दबंग रिपोर्टर

शहर में मेट्रो प्रोजेक्ट के पहले चरण में 17.5 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर का काम तेजी से चल रहा है। इसके अंतर्गत बनने वाले मेट्रो स्टेशनों के काम में भी तेजी दिख रही है। सेगमेंट बिछते ही पटरी का काम भी शुरू किया जाएगा। कोलकाता की कंपनी को इसका ठेका पहले ही दिया जा चुका है।

मेट्रो प्रोजेक्ट के अधिकारियों के अनुसार, आईएसबीटी और रेडिसन चौराहे के यहां मेट्रो स्टेशनों का काम चल रहा है। यह काम तेजी से चल रहा है। वहीं, लांचरों की मदद से सेगमेंट भी लगाए जा रहे हैं। अगले साल होने वाले ट्रायल रन के लिए सुपर कॉरिडोर के करीब साढ़े पांच किलोमीटर के हिस्से में काफी तेजी से तैयारी चल रही है। पिछले दिनों मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा टेंडर बुलवाए गए थे। टेक्समैको रेल ने लार्सन एंड टूब्रो की 262.32 करोड़ रुपये की बोली को पीछे छोड़ते हुए सबसे कम बोली लगाई थी। अन्य बोलीकर्ताओं में विजय निर्माण कंपनी प्राइवेट लिमिटेड और रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) थे। कंपनी पटरी बिछाने का काम करीब तीन साल में पूरा कर देगी, लेकिन इसके लिए सभी पिलरों को सेगमेंट की सहायता से जोड़ना होगा। इसके बाद ही पटरी बिछाई जा सकेगी।

कोरोना के कारण मेट्रों का काफी देरी से चल रहा है

शहर में चल रहे मेट्रो के 31.5 किलोमीटर के रूट को दो भागों में बांटा गया है। पहले 17.5 किलोमीटर के काम के लिए भी दो कंपनियों को ठेका दिया गया है। सुपर कॉरिडोर से एमआर-10 तक का काम रेल विकास निगम कर रहा है, जबकि एमआर-10 से रोबोट चौराहे तक का काम दिलीप बिल्डकॉन को दिया गया है। कोरोना के कारण इंदौर मेट्रो का काम पहले ही काफी देरी से हो गया है। संभावना है कि 2025 तक इंदौर में मेट्रो का काम पूरा हो जाएगा।

Free Press
Indore
24.11.2022

INDORE CITY
www.freepressjournal.in INDORE | THURSDAY | NOVEMBER 24, 2022 Pg-02

Jindal Steel bags Rs 138-crore MPMRCL rails supply contract

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

The Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Ltd (MPMRCL) issued tenders to Jindal Steel & Power Ltd (JSPL) for supplying 18-meter-long head-hardened rails for the Phase 1 projects of the Indore and Bhopal metro systems at a cost of Rs 138.64 crores.

MPMRCL officials said that the corporation issued a tender invitation in February with a 1,022-day (3-year) timeframe and an undetermined estimate. In July, technical bids were opened. There were two bidders: JSPL and Mitsui & Co. Ltd.

"During the evaluation, Mitsui's technical bids were found to be short of the requirements of the tender so the Corporation finalised JSPL's bid of Rs. 138,64,71,000 (138.64 crores)," said an official.

Indore Metro's total requirement is 8425 MT, for which supply of 4,500 MT in 4-5 months of the project is expected in the first lot, the second supply of 1,500 MT in 18-19 months and a final supply of 2,425 MT during 30-34 months of the project. The total requirement of Bhopal Metro is 8,120 MT, for which in the first lot supply of 2,000 MT in 4-5 months of the project is expected, the second supply of 4500 MT during 18-20 months and the final supply of 1620 MT during 30-34 months of project is expected.

76 % of piling work of Indore Metro complete

The Indore Metro work is going on at great speed along the entire 17.6 km corridor. Officials said, "76 per cent of the piling work of the Metro project has been completed and it is expected that before the end of this year piling work will end and pillar construction would start."

Free Press
Indore
24.11.2022

Bhanwarkuwan, Khajrana flyovers to be two-armed

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

The IDA has started the work on the two flyovers - one at Khajrana Square and the other at Bhanwarkuwan Square, the bhoomi pujan for which was done by chief minister Shivraj Singh Chouhan on Tuesday. Both flyovers will have two lanes separated from each other. The flyovers are expected to be completed in 18 months.

"The IDA has planned the projects after analysing the squares and found that different kind of flyovers are needed at both the squares because at Khajrana Square along the Ring Road Metro train route is proposed to be developed for which there must be a space in between the two lanes from where the Metro will pass," said officials.

Khajrana square flyover plan

Bhanwarkuwan square flyover plan

"On the other hand, the BRTS corridor exists at the Bhanwarkuwan Square and on AB Road and it was planned that with the flyover project the existing BRTS shall not get affected. For resolving this issue, it was planned to develop a two-arm flyover along the BRTS sides," officials added.

IDA officials said that for the Bhanwarkuan flyover Rs 47.27 crore will be spent. In the project, there will be two arms of 12 meters each. The length of the flyover will be around 650 meters and it will also have 7 meters of service road along both sides. The flyover will start from Holkar College and go towards Rau.

The Khajrana flyover would be developed at a cost of Rs 41.18 crore. The two arms of the flyover will be of 6 meters each. The length of the flyover will be around 700 meters and it will also have 7 meters of service road along both sides. The flyover will start from Robot Square and towards Bengali Square.

Nai Dunia
Indore
25.11.2022

नईदुनिया | 3
इंदौर, शुक्रवार 25 नवंबर, 2022

इंदौर मेट्रो : एमआर-10 के खंभों पर सजने लगे सेंगमेंट

इंदौर के एमआर-10 पर बापट चौराहे से विजय नगर चौराहे के बीच मेट्रो रेल लाइन का काम तेजी से चल रहा है। खंभों पर लांचर के माध्यम से सेगमेंट लगाए जा रहे हैं। सेगमेंट का काम पूरा होने के बाद पटरी बिछाई जाएगी। ● नईदुनिया

METRO NEWS
28th November, 2022
Indore

Free Press
Indore
28.11.2022

INDORE CITY
www.freepressjournal.in INDORE | MONDAY | NOVEMBER 28, 2022 Pg-02

MPMRC MD inspects Gandhi Nagar depot of Metro Railway

Indore Metro trial run in Aug-Sept, 2023, says Singh

Manish Singh resolves problems faced by the construction agency in development of the depot

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

Madhya Pradesh Metro Rail Corporation's managing director, Manish Singh, on Sunday, said that the trial run at the Priority Corridor of Indore Metro Railway was going to start in August-September 2023.

"The Metro Rail project is work considered to be of the highest priority by Chief Minister Shivraj Singh Chouhan. Our aim is that, by next August-September, its trial run can be carried out at the Super-Priority Corridor of 5.9 km," Singh said during his visit to Indore, specially to inspect the Gandhi Nagar depot of the Metro Railway and resolve the problems faced by the construction agency in development of the depot.

While reviewing the construction work, Singh directed that work on the depot be carried out on priority to complete the targeted Super-Priority Corridor by September 2023.

During the inspection, Singh also observed the work going on at the Gandhi Nagar depot. He was apprised of the problems being faced by the local officials of Metro Rail Corporation in carrying out the work. Singh gave instructions to resolve the problems with mutual coordination so that the construction can be done at a faster pace.

Collector Ilaya Raja T, who was also present during the inspection, said, "All kinds of coordination will be done by the administration and every possible effort will be made to complete the Metro project at a fast pace."

The work is being carried out at a fast pace by Metro Rail Corporation. It was decided on Saturday at a review meeting that the work would not be stopped even when the Pravasi Bharatiya Sammelan and the Global Investors' Summit, 2023, were held in the city in January.

"Work has started to temporary close traffic on a 200-metre stretch near the proposed Gandhi Nagar station on the Super-Corridor. Diversion is being arranged at this place so that traffic is not obstructed and the Metro construction work can go on smoothly," officials added.

Singh inquired how the converted diversion route could be made attractive to present the image of Indore city in a beautiful form from the Metro construction site.

While talking to officials of Metro Rail Corporation, Singh directed that the technical aspects be completed by establishing relations with the Rail India Technical and Economic Service (RITES) and other technical institutions. Singh ordered that quality and safety be ensured in the Metro construction work on priority and instructed officials not to compromise on them under any circumstance.

Initiating the site inspection from the proposed Metro station near Gandhi Nagar, Singh stressed the importance of ensuring orderly traffic and managing diversions on the Metro construction routes during the two major events proposed in the city at the beginning of next year-the Global Investors' Summit, 2003, and Pravasi Bhartiya Sammelan.

Collector Ilaya Raja T; municipal commissioner Pratibha Pal; Ajay Sharma, director, Metro Depot Project; KC Chauhan, general manager; Anil Joshi, deputy general manager; officers of the general consultant and representatives of the Metro construction contractors were present during the inspection.

Dainik Bhaskar
Indore
28.11.2022

दैनिक भास्कर इंदौर 28-11-2022

अब सारा जोर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर; मेट्रो प्रोजेक्ट को 'रास्ता' देने सुपर कॉरिडोर पर डायवर्ट करेंगे ट्रैफिक

भास्कर संवाददाता | इंदौर

सितंबर 2023 में मेट्रो ट्रेन के ट्रायल रन को देखते हुए सारा जोर इन दिनों 5.9 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर को कम्प्लीट करने पर है। यह कॉरिडोर गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर होते हुए गुजरेगा, लेकिन सुपर कॉरिडोर पर तेज रफ्तार ट्रैफिक काम में बाधा बन रहा है।

रविवार को मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के एमडी मनीष सिंह ने मौका-मुआयना किया तो कंसल्टेंट ने परेशानी बताई। इस पर तय किया गया कि सुपर कॉरिडोर के जिस हिस्से में मेट्रो का काम चलेगा, वहां 200 मीटर लंबी और 10 मीटर चौड़ी अस्थायी सड़क बनाकर ट्रैफिक डायवर्ट किया जाएगा। जनवरी में होने जा रहे प्रवासी भारतीय सम्मेलन और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान भी काम बंद नहीं किया जाएगा। संभवतः राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के आगमन के समय एक-दो दिन काम बंद किया जा सकता है।

गांधी नगर डिपो, स्टेशन देखा, समन्वय बनाकर काम करने की समझाइश

अधिकारी सबसे पहले गांधी नगर में निर्माणाधीन डिपो पहुंचे। साथ में कलेक्टर इलैया राजा टी भी थे। अफसरों ने विभागों के साथ समन्वय कर काम पूरा करने की बात कही। गांधी नगर स्टेशन का भी निरीक्षण किया। सुपर कॉरिडोर पर एक तरफ आईडीए रोड बना रहा है। उसका उपयोग करने के लिए कहा गया। दूसरी ओर सड़क के पास ही वन विभाग की जमीन है। वहां अस्थायी सड़क बनाने के लिए कहा। हालांकि ठेकेदार ने बताया कि वन विभाग वाले हिस्से पर सड़क बनाने में 15 से 20 दिन का समय लग जाएगा। रेल इंडिया टेक्निकल एवं इकोनॉमिक सर्विस व अन्य तकनीकी संस्थानों से तकनीकी सहयोग लेने के निर्देश दिए गए।

Raj Express
Indore
28.11.2022

प्रायोरिटी कॉरिडोर का काम समय पर पूरे करें- एमडी मनीष सिंह

एमडी मेट्रो रेल ने इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

मप्र मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के प्रबंध संचालक ने इंदौर प्रोजेक्ट के महत्वपूर्ण निर्माण स्थलों का भौतिक निरीक्षण किया। शनिवार को राजधानी भोपाल में मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के वरिष्ठ अधिकारियों और इंदौर के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महत्वपूर्ण दिशा -निर्देशों दिए थे। उन्होंने रविवार को निरीक्षण के दौरान भी प्रबंध संचालक ने मेट्रो अधिकारियों, जनरल कंसलटेंट तथा कॉन्ट्रैक्टर्स को काम में तेजी लाने और प्रायोरिटी कॉरिडोर का काम समय पर पूरा करने के सख्त निर्देश दिए। मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के एमजी मनीष सिंह ने रविवार को विशेष निरीक्षण कार्यक्रम के तहत निरिक्षण किया। यह दौरा इंदौर जिला प्रशासन, इंदौर नगर निगम एवं अन्य सभी सरकारी एजेंसियों के मध्य समन्वय स्थापित प्रोजेक्ट के निर्माणाधीन कार्य को त्वरित गति प्रदान करने के उद्देश्य पर आधारित था। मप्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन के एमडी मनीष सिंह ने पद संभालने के बाद पहली बार निरिक्षण किया। इस दौरान जिला कलेक्टर डॉ इलैया राजा टी., नगर निगम आयुक्त प्रतिभा पाल और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। मेट्रो, एम. डी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित मेट्रो प्रोजेक्ट में आ रही समस्याओं का समाधान निकालने की बात कही।

अस्थाई रूप बंद किया मार्ग

इंदौर में गाँधी नगर के समीप प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन से स्थल निरीक्षण की शुरुआत करते हुए एमडी मनीष सिंह ने आगामी वर्ष के शुरुआत में ही शहर में प्रस्तावित दो बड़े आयोजनों इन्वेस्टर्स समिट तथा प्रवासी भारतीय सम्मलेन के दौरान मेट्रो निर्माणाधीन मार्गो पर व्यवस्थित यातायात एवं प्रबंधित डायवर्सन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान बताया गया कि सुपर कॉरिडोर पर प्रस्तावित गाँधी नगर स्टेशन के समीप लगभग 200 मीटर के लम्बे मार्ग पर यातायात अस्थाई रूप से बंद किया जाने की कार्यवाही को मूर्त रूप दिए जाने का काम शुरू हो चुका है। इस स्थान पर डायवर्सन की व्यवस्था की जा रही है ताकि यातायात बाधित न हो और मेट्रो निर्माण कार्य सुचारु रूप से चल सके।

गुणवत्ता और सुरक्षा सर्वोपरि

अपने निरीक्षण के दौरान एमडी मनीष सिंह ने अधिकारियों को निरिक्षण के दौरान कई बिंदुओं पर जानकारी ली। उन्होंनें कन्सलटेंट और इंजीनियरों से समय सीमा में काम पूरा करने केसाथ ही मेट्रो निर्माण कार्य में गुणवत्ता और सुरक्षा को सर्वोपरि बताया और किसी भी सूरत में इनसे समझौता नहीं करने के निर्देश दिए। प्रबंध संचालक के मेट्रो प्रोजेक्ट के विशेष निरिक्षण कार्यक्रम में अजय शर्मा, निदेशक परियोजना, केसी चौहान, महाप्रबंधक, अनिल जोशी उप महाप्रबंधक, जनरल कंसलटेंट के अधिकारी और मेट्रो निर्माण कॉन्ट्रैक्टर्स के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

2023 में सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर प्राथमिकता

प्रबंध संचालक ने मेट्रो निर्माण से इंदौर शहर की छवि को खूबसूरत रुप में प्रस्तुत करने के लिए परिवर्तित डायवर्सन मार्ग को आकर्षक बनाने की बात कही। गाँधी नगर डिपो में निर्माण कार्यों की ऑन स्पॉट समीक्षा करते हुए श्री सिंह ने सितम्बर 2023 में लक्षित सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर के अनुपात में डिपो का काम प्राथमिकता के आधार पर पूरा किये जाने का निर्देश दिया। मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अधिकारियों के साथ बात करते हुए प्रबंध निदेशक ने रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकनोमिक सर्विस और दूसरे तकनीकी संस्थानों से सम्बन्ध स्थापित कर तकनीकि पहलुओं को पूरा करने के निर्देश दिए।

The People's Samachar
Indore
28.11.2022

पीपुल्स समाचार
बदलते जमाने का अखबार
इंदौर सिटी Page: 2 November 28, 2022

'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बीच भी चलेगा काम'

मेट्रो रेल रूट का प्रबंध संचालक ने किया निरीक्षण, आगामी अगस्त-सितंबर में हो सकेगा ट्रायल रन

पीपुल्स संवाददाता ● इंदौर
मो.नं. 9826055574

मेट्रो रेल कारपोरेशन के प्रबंध संचालक और कलेक्टर ने रविवार को संयुक्त रूप से इंदौर में निर्माणाधीन मेट्रो प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ नगर निगम आयुक्त भी मौजूद थीं। इन अधिकारियों ने शासन के वरीयता वाले मेट्रो ट्रेन के रूट का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने निरीक्षण के समय गांधी नगर डिपो में चल रहे काम भी देखे। मेट्रो रेल कारपोरेशन के स्थानीय अधिकारियों से काम करने में आ रही समस्याओं को जाना और इन समस्याओं पर परस्पर समन्वय से समस्याओं के निराकरण की राह सुझाई गई, ताकि द्रुत गति से निर्माण हो सके।

काम नहीं होगा बंद- बताया गया है कि मेट्रो रेल कारपोरेशन द्वारा तेज गति के साथ काम चलाया जा रहा है। कल ही यह फैसला लिया गया है कि जब प्रवासी भारतीय सम्मेलन और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट इंदौर में हो रही होगी, उस समय पर भी काम को बंद नहीं किया जाएगा।

छोटे रूट पर ट्रायल रन उद्देश्य

मेट्रो प्रोजेक्ट सीएम की सर्वोच्च वरीयता का कार्य हैं। हमारा उद्देश्य है कि आगामी अगस्त-सितंबर तक इसका एक छोटे रूट पर ट्रायल रन हो सके।

-मनीष सिह
प्रबंध संचालक
मेट्रो रेल कारपोरेशन

प्रशासन करेगा समन्वय

प्रशासन द्वारा सभी तरह का समन्वय किया जाएगा और मेट्रो प्रोजेक्ट द्रुत गति से पूर्ण हो सके, इसके लिए हर संभव कोशिश की जाएगी।

-डॉ. इलैया राजाटी
कलेक्टर, इंदौर

30
Nai Dunia
Indore
28.11.2022

नईदुनिया | 3
इंदौर, सोमवार 28 नवंबर, 2022

लेटलतीफी बर्दाश्त नहीं, मिलकर काम पूरा करें

निरीक्षण ● काम में देरी पर मेट्रो रेल कारपोरेशन के एमडी हुए नाराज, स्टेशन का निर्माण कार्य भी देखा

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। गांधी नगर से रेडिसन चौराहे तक मेट्रो ट्रेन के लिए पिलर खड़े किए जा चुके हैं। मेट्रो रेल कारपोरेशन अगले साल अगस्त से सितंबर के बीच करीब पांच किमी में मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन करेगा। ऐसे में काम में आ रही समस्याओं को लेकर अधिकारियों ने मेट्रो ट्रेन रूट का निरीक्षण किया। समय पर लक्ष्य पूरा करने के लिए उन्होंने परियोजना से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए।

शहर के सुपर कारिडोर और एमआर 10 पर चल रहे मेट्रो प्रोजेक्ट के कार्यों का निरीक्षण करने रविवार को मेट्रो रेल कारपोरेशन के प्रबंध संचालक मनीष सिंह, कलेक्टर इलैया राजा टी और निगम आयुक्त प्रतिभा पाल पहुंचे। अगले साल होने प्रस्तावित ट्रायल रन वाले रूट का अधिकारियों ने दौरा कर कार्य की समीक्षा की। इस दौरान कंसल्टेंसी एजेंसियों की लेटलतीफी पर एमडी मनीष सिंह ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने आमने सामने बैठकर परस्पर तरीके से काम निपटाने के निर्देश दिए। प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने बताया कि अगले साल करीब पांच किमी रूट पर मेट्रो ट्रेन का ट्रायल किया जाना है। ऐसे काम में आने वाली समस्याओं को देखने स्थानीय अधिकारियों के साथ पहुंचे। इस दौरान गांधी नगर के पास मेट्रो स्टेशन का निरीक्षण किया गया।

एमआर-10 ब्रिज के पास मेट्रो स्टेशन का निर्माण दिन और रात दोनों पालियों में चल रहा है। ● नईदुनिया

- अगस्त से सितंबर के बीच पांच किलोमीटर ट्रैक पर होना है मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन
- प्रबंध संचालक और कलेक्टर ने किया मेट्रो रेल रूट का निरीक्षण

मेट्रो रेल मार्ग का निरीक्षण करते कलेक्टर इलैया राजा टी और निगमायुक्त प्रतिभा पाल। ● नईदुनिया

प्रवासी सम्मेलन के दौरान नहीं रुकेगा कार्य

जनवरी में शहर में प्रवासी भारतीय सम्मेलन और इंवेस्टर्स समिट के साथ ही कई बड़े आयोजन होने है। इनमें अतिथियों का आवागमन एयरपोर्ट से सुपर कारिडोर होते हुए ब्रिलियंट कंवेशन सेंटर तक होगा। अतिथियों के आवागमन में किसी तरह की परेशानी न हो इसका ध्यान रखा जाएगा। सिंह ने बताया कि यह फैसला किया गया है कि जब प्रवासी भारतीय सम्मेलन और ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट इंदौर में हो रहा होगा उस समय पर भी काम को बंद नहीं किया जाएगा।

बनेगा वैकल्पिक मार्ग

गांधी नगर के पास मेट्रो स्टेशन का निर्माण किया जाना है। निर्माण के दौरान 200 मीटर के मार्ग को बंद करना होगा। इससे पहले वैकल्पिक मार्ग तैयार किया जाएगा। यह मार्ग पास में ही अस्थायी रूप से बनेगा। ताकि आवागमन में किसी तरह की परेशानी न हो। कलेक्टर इलैया राजा टी ने कहा कि प्रशासन मेट्रो प्रोजेक्ट कार्य की तेज गति बनाए रखने के लिए हर संभव मदद करेगा।

Dabang Dunia
Indore
28.11.2022

दबंग दुनिया
इंदौर शहर
इंदौर, सोमवार, 28 नवंबर 2022
www.dabangdunia.co.in
03

मेट्रो रेल कारपोरेशन के प्रबंध संचालक और कलेक्टर ने किया मेट्रो प्रोजेक्ट का निरीक्षण

अगस्त-सितम्बर में छोटे रूट पर होगा मेट्रो रेल का ट्रायल रन

इंदौर » दबंग रिपोर्टर

मेट्रो रेल कारपोरेशन के प्रबंध संचालक मनीष सिंह और कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने रविवार को इंदौर में निर्माणाधीन मेट्रो प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया। इस मौके पर उनके साथ नगर निगम आयुक्त प्रतिभा पाल भी मौजूद थीं। इन अधिकारियों ने शासन के वरीयता वाले मेट्रो ट्रेन के रूट का निरीक्षण कर गांधी नगर डिपो में चल रहे काम भी देखे। मेट्रो रेल कारपोरेशन के स्थानीय अधिकारियों के द्वारा काम को करने में आ रही समस्याओं को सामने रखा गया। इन समस्याओं पर मनीष सिंह द्वारा परस्पर समन्वय से समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए गए ताकि द्रुत गति से निर्माण हो सके।

प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने कहा कि मेट्रो प्रोजेक्ट मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सर्वोच्च वरीयता का कार्य है। हमारा उद्देश्य है कि आगामी अगस्त-सितम्बर तक इसका एक छोटे रूट पर ट्रॉयल रन हो सके। कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा ने कहा कि प्रशासन द्वारा सभी तरह का समन्वय किया जाएगा और मेट्रो प्रोजेक्ट द्रुत गति से पूर्ण हो सके इसके लिए हरसंभव कोशिश की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि मेट्रो रेल कारपोरेशन द्वारा तेज गति के साथ काम चलाया जा रहा है। शनिवार को ही यह फैसला लिया गया है कि जब प्रवासी भारतीय सम्मेलन और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट इंदौर में हो रहा होगा उस समय पर भी काम को बंद नहीं किया जाएगा।

Metro Vaartha
Indore
28.11.2022

Aim for Indore Metro rail run by Aug-Sept

STAFF REPORTER

Indore

Metro Rail Corporation managing director Manish Singh said on that the metro project was of the highest priority for Chief Minister Shivraj Singh Chouhan. "Our aim is to start a trial run of the Metro train in Indore on a small route by August-September next year," he added. During inspection of the ongoing works, Singh said work was being carried out at a fast pace. It was been decided that the work would not be stopped even when the Pravasi Bharatiya Sammelan and the Global Investors Summit would be held here.

Municipal Commissioner Pratibha Pal and other senior district officials were also present during the inspection.

Singh, accompanied by senior officials, inspected the route of the priority corridor and problems being faced by Metro local officials were highlighted and Singh directed immediate action.

Navbharat
Indore
28.11.20202

प्रायोरिटी कॉरिडोर का काम समय पर पूरा करें

मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के एमडी ने दिए निर्देश, प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया

इंदौर. रविवार को मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने इंदौर प्रोजेक्ट के महत्वपूर्ण निर्माण स्थलों का भौतिक निरिक्षण किया. शनिवार को राजधानी भोपाल में मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के वरिष्ठ अधिकारियों एवं इंदौर के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महत्वपूर्ण दिशा -निर्देशों के उपरांत आज के निरीक्षण के दौरान भी प्रबंध संचालक ने मेट्रो अधिकारियों, जनरल कंसलटेंट तथा कॉन्ट्रैक्टर्स को काम में तेजी लाने और प्रायोरिटी कॉरिडोर का काम समय पर पूरा करने के सख्त निर्देश दिए.

मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के एम. डी. के द्वारा किये गए आज का विशेष निरीक्षण कार्यक्रम इंदौर में जिला प्रशासन, इंदौर नगर निगम एवं अन्य सभी सरकारी एजेंसियों के मध्य समन्वय स्थापित प्रोजेक्ट के निर्माणाधीन कार्य को त्वरित गति प्रदान करने के उद्देश्य पर आधारित था. इस आशय के साथ एम.डी. के निरीक्षण के कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ इलैया राजा टी., नगर निगम आयुक्त प्रतिभा पाल एवं जिला स्तरीय अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। मेट्रो एम डी ने वरिष्ठ अधिकारियों के

साथ समन्वय स्थापित मेट्रो प्रोजेक्ट में आ रही समस्याओं का समाधान निकालने की बात कही।

गाँधी नगर के समीप प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन से स्थल निरीक्षण की शुरुआत करते हुए एमडी ने आगामी वर्ष के शुरुआत में ही शहर में प्रस्तावित दो बड़े आयोजनों - इन्वेस्टर्स समिट तथा प्रवासी भारतीय सम्मलेन के दौरान मेट्रो निर्माणाधीन मार्गों पर व्यवस्थित यातायात एवं प्रबंधित डायवर्सन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. उल्लेखनीय है कि सुपर कॉरिडोर पर प्रस्तावित गाँधी नगर स्टेशन के समीप लगभग 200 मीटर के लम्बे मार्ग पर यातायात अस्थाई रूप से बंद किया जाने की कार्यवाही को मूर्त रूप दिए जाने का काम शुरू हो चुका है। इस स्थान पर डायवर्सन की व्यवस्था की जा रही है ताकि यातायात बाधित न हो और मेट्रो निर्माण कार्य सुचारु रूप से चल सके।

डायवर्सन मार्ग बनाएं आकर्षक

प्रबंध संचालक ने मेट्रो निर्माण से इंदौर शहर की छवि को खूबसूरत रूप में प्रस्तुत करने के लिए परिवर्तित डायवर्सन मार्ग को आकर्षक बनाने की बात कही. गाँधी नगर डिपो में निर्माण कार्यों की ऑन स्पॉट समीक्षा करते हुए श्री सिंह ने सितम्बर 2023 में लक्षित सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर के अनुपात में डिपो का काम प्राथमिकता के आधार पर पूरा किये जाने का निर्देश दिया. मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अधिकारियों के साथ बात करते हुए प्रबंध निदेशक ने आरआईटीईएस (रेल इंडिया टेक्निकल इकनोमिक सर्विस) एवं दूसरे तकनिकी संस्थानों से सम्बन्ध स्थापित कर तकनिकी पहलुओं को पूरा करने के निर्देश दिए.

गुणवत्त, सुरक्षा सर्वोपरी

श्री सिंह ने मेट्रो निर्माण कार्य में गुणवत्ता और सुरक्षा को सर्वोपरि बताया और किसी भी सूरत में इनसे समझौता नहीं करने के निर्देश दिए. प्रबंध संचालक के मेट्रो प्रोजेक्ट के विशेष निरिक्षण कार्यक्रम में अजय शर्मा निदेशक (परियोजना), के.सी.चौहान महाप्रबंधक, अनिल जोशी उप महाप्रबंधक, जेनरल कंसलटेंट के अधिकारीगण एवं मेट्रो निर्माण कॉनट्रैकटर्स के प्रतिनिधि उपस्थित रहे.

Hindustan Mail
Indore
28.11.2022

एमडी मनीषसिंह ने दौरा किया

इंदौर में मेट्रो रेल प्रोजेट को ओर मिलेगी रफ्तार

हिन्दुस्तान मेल, इंदौर। इंदौर में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट को अब और गति मिलेगी। मेट्रो रेल कारपोरेशन के नवनियुक्त एमडी मनीष सिंह ने रविवार को इंदौर आकर मौका मुआयना किया और अफसरों को जरूरी निर्देश दिए। मेट्रो रेल प्रोजेक्ट को लेकर भोपाल में बैठक लेने के बाद मनीष सिंह ने रविवार को इंदौर में अफसरों के साथ मेट्रो रेल के रूट और गांधी नगर में बन रहे मेट्रो डिपो का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी, निगमायुक्त प्रतिभा पाल और अन्य अफसर भी मौजूद थे।

Patrika
Indore
28.11.2022

प्रवासी भारतीय और इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन से प्रभावित नहीं होगा काम

एमजी रोड के विकल्प का सर्वे शुरू, राजबाड़ा क्षेत्र से मेट्रो फिर अंडरग्राउंड करने की तैयारी

पत्रिका

हमारी मेट्रो

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. चुनाव से पहले मेट्रो चलाने में देरी न हो, इसलिए प्रवासी भारतीय सम्मेलन व ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान सिर्फ प्रधानमंत्री-राष्ट्रपति के आगमन वाले दिन ही मेट्रो का काम रोका जाएगा। दूसरी ओर अगले चरण के कार्य को गति देते हुए एमजी रोड पर लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन द्वारा प्रस्तावित विकल्प के लिए सर्वे शुरू कर रिपोर्ट तैयार की जा रही हैं। बताया जा रहा है, सरकार से मिले दिशा-निर्देश के बाद राजबाड़ा क्षेत्र से मेट्रो अंडर ग्राउंड ही ले जाने का निर्णय किया गया है। तय यह करना है, रेसकोर्स रोड से एसजीएसआइटीएस के सामने से ले जाएं या गांधी हॉल के पास से। रविवार को मेट्रो के एमडी मनीष सिंह ने मेट्रो वायडक्ट व डिपो निर्माण का अवलोकन किया। इसके बाद स्थानीय अधिकारियों की बैठक भी ली।

कांट्रेक्टर, कंसल्टेंट व अफसरों को स्पष्ट कर दिया, 2023 तक हर हाल में प्रायोरिटी कॉरिडोर पर मेट्रो चलाना है। पूरे रिंग रूट का कार्य तय समय 2025 में पूरा करना हैं। सूत्रों के अनुसार, बैठक में इस पर भी चर्चा हुई हैं। बताया गया, एमजी रोड से एलिवेटेड के अलावा प्रस्तावित विकल्प का सर्वे करके रिपोर्ट बनाई जाए। ताकि दूसरे हिस्से का काम भी शुरू किया जा सके। राजबाड़ा क्षेत्र से एलिवेटेड करने पर उच्च अधिकारी भी राजी नहीं हैं। इसलिए सुभाष मार्ग व रेसकोर्स वाले विकल्प को देखते हुए एक तुलनात्मक रिपोर्ट तैयार करें।

सुपर कॉरिडोर पर बनेगा वैकल्पिक मार्ग

आयोजनों के समय यातायात व्यवस्थित व डायवर्शन करने को कहा है। गांधी नगर के समीप बन रहे स्टेशन के लिए करीब 250 मीटर का सुपर कॉरिडोर का हिस्सा अस्थाई तौर पर बंद किया जाना है। इसके लिए डायवर्शन ऐसा करने को कहा है कि आयोजनों के समय यातायात में दिक्कत न आए।

प्राथमिकता से पूरे करें सभी काम

अवलोकन के दौरान एमडी सिंह के साथ कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी, निगमायुक्त प्रतिभा पाल और जीएम कैसी चौहान, अनिल जोशी मौजूद रहे। सिंह को बताया गया, यदि आयोजनों के कारण काम बंद किया गया तो लक्ष्य पूरा नहीं होगा। इस पर उन्होंने मार्ग को सुरक्षित कर काम करने के निर्देश देते हुए कहा, दो दिन ही काम बंद रखा जाएगा। सभी टेंडर हो चुके हैं। निर्माण एजेंसियों के साथ काम शुरू कर दिए जाएं। इसमें किसी तरह की परेशानी आ रही है तो करवाई की जा सके। डिपो निर्माण का भी अवलोकन करते हुए काम में तेजी लाने के लिए कहा गया है।

METRO NEWS
27th NOVEMBER,2022

Dainik Bhaskar
Indore

दैनिक भास्कर इंदौर 27-11-2022

समय पर ट्रायल के लिए समिट और प्रवासी सम्मेलन के दौरान भी चलेगा मेट्रो का काम

एमडी ने समीक्षा की, अफसरों से कहा- सभी कामों के टेंडर जल्द जारी करें

भास्कर संवाददाता | इंदौर

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट की रफ्तार ग्लोबल इन्वेस्टर समिट और प्रवासी भारतीय सम्मेलन के दौरान भी नहीं थमेगी, क्योंकि सुपर कॉरिडोर के 5.9 किलोमीटर के हिस्से पर (प्रायोरिटी कॉरिडोर) अगले साल सितंबर में मेट्रो का ट्रायल होना है। उसके पहले सारे काम पूरे किए जाने हैं। इसी सिलसिले में मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के एमडी मनीष सिंह ने शनिवार को मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिए कि तय समय पर काम पूरा करें।

आरवीएनएल के कॉन्ट्रैक्टर ने गांधी नगर स्टेशन के काम में आ रही परेशानी के बारे में बताया। वे बोले कि ग्लोबल इन्वेस्टर समिट, प्रवासी भारतीय सम्मेलन होने वाले हैं, लेकिन काम बंद नहीं होना चाहिए। एक-एक दिन कीमती है। इसलिए काम बंद नहीं कर सकते।

विजय नगर चौराहा के पास मेट्रो प्रोजेक्ट का काम।

तेज रफ्तार वाहनों के कारण काम में दिक्कत

ट्रैफिक की समस्या बताते हुए कहा कि गांधीनगर से रोबोट चौराहे के बीच 80 की स्पीड से गाड़ियां दौड़ रही हैं। इस पर सिंह ने रविवार सुबह 9.30 बजे सभी अधिकारियों को गांधीनगर पहुंचने के निर्देश दिए। सभी कामों के टेंडर जल्द जारी करने के लिए कहा। वे बोले कि कोई टेंडर पेंडिंग नहीं होना चाहिए। मालूम हो, गांधी नगर पहला स्टेशन है। एयरपोर्ट से वीआईपी के आने का यही रूट रहेगा। हालांकि कंपनी के जिम्मेदारों को आश्वासन दिया गया कि काम बंद नहीं होगा।

Free Press
Indore

Manish Singh to inspect Metro Corridor today

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

The managing director of Madhya Pradesh Metro Rail Corporation, Manish Singh, will visit Indore on Sunday to inspect the Corridor of the Metro train being developed at Gandhi Nagar along with the Gandhi Nagar depot to clarify the issues being faced by Rail Vikas Nigam Limited. A review meeting on the development of the Priority Corridor was held by Singh on Saturday along with Metro officials and contractors. He discussed the work with Metro officials, the general consultant and contractor and

learned about the progress of construction works under the Indore and Bhopal Priority Corridor.

He made it clear that all possible steps would be taken to meet the deadline set by Chief Minister Shivraj Singh Chouhan for the Indore and Bhopal Metro trials in September 2023 and to ensure completion of all works.

Work on the Indore Gandhinagar depot was reviewed by Singh and Mushtaq, the representative of the depot contractor M/s KSMB, was ordered to take action immediately and KC Chouhan, civil general manager, Indore, was asked to go to the headquarters of M/s KSMB in Lucknow and make a plan to complete the procurement and other works in due time.

Along with this, Singh was informed by station contractor RVNL officer Amit Tandon about the problems being faced in the construction work of Gandhinagar station. He directed Metro officials, the general consultant and district officials to reach the spot at 9:30 am on Sunday. Singh will also review, discuss and resolve issues so that there is no hindrance in the construction work.

He also directed the officers and the contractor to complete the pending tender works immediately. The contractor was also instructed to speed up the work and complete it within the stipulated time by increasing the number of labourers working on the project.

FREE PRESS JOURNAL Sun, 27 November 2022
https://epaper.freepressjournal.in/c/70980019